रणथंभौर नेशनल पार्क में खाने-पीने का सामान व प्लास्टिक की बोतल कैसे जाती हैं, गार्ड क्यों नहीं लगाते : हाईकोर्ट

प्रमुख राजस्व सचिव, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर व एसपी सहित वन विभाग के आला अफसरों को शुक्रवार को अदालत में पेश होने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सवाई माधोपुर के रणथंभौर नेशनल पार्क व टाइगर रिजर्व में टाइगर के संरक्षण से जुड़े मामले में राज्य सरकार से पूछा है कि वहां पर खाने-पीने का सामान व प्लास्टिक की बोतल कैसे जा रही हैं। इन्हें रोकने के लिए वहां पर गार्ड क्यों नहीं लगाए जाते।

वहीं अदालत ने पूछा कि होटल वाले सेंचुरी में सफारी कैसे करा रहे हैं और फुल डे व हाफ डे सेंचुरी की व्यवस्था क्या है। वहीं अदालत ने मामले में स्पष्टीकरण के लिए शुक्रवार को प्रमुख राजस्व सचिव, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर व एसपी सहित वन विभाग के आला अफसरों को अदालत में हाजिर होने के लिए कहा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता व समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश स्वप्रेरित प्रसंज्ञान व अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इन अफसरों से यह भी बताने के लिए कहा है कि उन्होंने पूर्व में दिए गए निर्देशों की क्या पालना की।

- **अदालत ने पूछा कि होटल वाले सेंचुरी में सफारी कैसे करा रहे हैं और फुल डे व हाफ डे सेंचुरी की व्यवस्था क्या है**

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पूर्व में निर्देश दिया था कि वह रणथंभौर व सरिस्का सहित अन्य अभयारण्यों व टाइगरों के संरक्षण के लिए योजना तैयार करें। अदालत ने राज्य सरकार को एम्पावर्ड कमेटी की सिफारिशों की पालना कर रिपोर्ट भी पेश करने को कहा था, लेकिन अदालती आदेश का पालन नहीं किया गया।

याचिका में कहा था कि एनटीसीए के लिखने के बाद भी टाइगर फोर्स नहीं बनी है और सरिस्का अभयारण्य सहित अन्य जगहों पर टाइगर मर रहे हैं। अभयारण्य के कोर एरिया में अभी भी लोग बसे हुए हैं और अधिकतर गांव वालों के पास हथियार भी हैं। यहां पर टाइगर सहित अन्य जानवरों का शिकार किया जा रहा है। ऐसे में सरिस्का क्षेत्र में शिकारियों पर कार्रवाई की जाए और इसे रोकने के लिए प्रोटेक्शन फोर्स बनाई जाए। क्षेत्र में अवैध खनन व पशुओं की चराई को भी रोका जाए और मामले में लापरवाही बरतने पर मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि अदालत ने भी सरिस्का और रणभंभौर सहित अन्य रिजर्व को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था।

गहलोत सरकार को अलविदा कहने का जनता ने मन बना लिया है : नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा का गुरूवार को जयपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया।

जयपुर। प्रदेश की राजधानी जयपुर में 3 दिन तक देशभर के भाजपाइयों का जमावड़ा रहेगा इसकी शुरुआत गुरुवार को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अनेक पदाधिकारी राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक दिल्ली रोड स्थित एक होटल में पहुंचे। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार शाम जयपुर पहुंचे। जयपुर एयरपोर्ट पर जहां लोक गीत और संगीत से उनका स्वागत किया गया। वहीं एयरपोर्ट परिसर के बाहर वैदिक मंत्रों के साथ नड्डा की अगवानी की।

इसके साथ ही आमेर में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गहलोत सरकार पर जुबानी हमला बोला। आमेर के कुंडा पर उनके स्वागत के बाद मंच से नड्डा ने कहा कि गहलोत सरकार में राजस्थान के लोगों की उपेक्षा और उसका निरादर हुआ है। जनता ने गहलोत सरकार को अलविदा कहने और भाजपा सरकार लाने का मन बना लिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भी गहलोत सरकार पर निशाना साधा और कहा जगह-जगह समाज में अशांति फैलाई जा रही है। करौली भरतपुर जैसी घटनाए इस बात को बताती है कि यहां पर प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है जिसके चलते आम आदमी आज दहशत में है। इसलिए यहां की धरती पर कमल का फूल खिलाना है। से पहले नड्डा का पूरे मार्ग में जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। कुछ जगहों पर नड्डा ने रुककर कार्यकर्ताओं का अभिवादन भी स्वीकार किया।इस दौरान आमेर विधानसभा क्षेत्र के आमेर कुंडा पहुंचने पर भी नड्डा का भव्य स्वागत किया गया। खास बात यह रही कि सतीश पूनिया ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से हाथ लगवाकर नड्डा के सिर पर लाल रंग की पाग पहनाई। आमिर के कुंडा से राष्ट्रीय अध्यक्ष नोएडा के स्वागत में ट्रैक्टरो एवं मोटरसाइकिलो भाजपा कार्यकर्ताओं ने काफिले के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को होटल परिसर तक पहुंचाया।होटल परिसर में बनाए गए कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में डालें एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में सुंदर सिंह भंडारी और कुशाभाऊ ठाकरे के जीवन वृतांत के बारे में बताया गया है।

'मन मिले ना मिले लेकिन हम साथ-साथ हैं'

जयपुर। भाजपा की तीन दिवसीय राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक आमेर के एक होटल में होगी। इस बैठक में शामिल होने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पहुंचे। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत भाजपा कार्यकर्ताओं ने पलंग पावडे बिछा कर किया गया।

नड्डा ने पार्टी को एकजुट बताने का के लिए अपनी गाड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को साथ बैठाया। पूरे रास्ते यह चारों नेता एक ही गाड़ी में सवार रहे। गौरतलब है कि पिछले दिनों दिल्ली में प्रदेश के नेताओं की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन मंत्री बीएल संतोष ने ली और सभी को एकजुट और एक साथ रहने का संदेश दिया था। उसके बाद यह पहला मौका था जिसमें प्रदेश के यह नेता एक साथ एक मंच पर नजर आए। वही कार्यकर्ताओं का कहना यह भी है कि मन मिले ना मिले लेकिन हम साथ साथ हैं। जिससे प्रदेश में होने वाले 2023 के चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बन सके।

प्रदेश के 15 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले गुरूवार को

हालांकि, राज्य में नए संक्रमितों की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं होने से 65 ही मामले सामने आए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में गुरूवार को 15 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले है। हालाकि संक्रमितों की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। इस दौरान 65 नए मरीज सामने आए हैं। इधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 84 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को 6 मामले बढ़ने के साथ ही 65 नए संक्रमित मिले है। इससे पहले बुधवार को 59 रोगी पाए गए थे। आज राजधानी जयपुर में मामूली गिरावट के बाद 27 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 9, धौलपुर में 5, अजमेर में 4, चित्तौड़गढ़ व उदयपुर में 3-3, बारां, बीकानेर, गंगानगर व सीकर में 2-2 तथा चूरू, झालावाड़, कोटा और राजसमंद में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 18 जिलों बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

- **राजधानी जयपुर में मामूली गिरावट के बाद 27 नए मरीज मिले हैं।**
- **राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 84 संक्रमितों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं।**

प्रदेश में गुरूवार को भी रिकवरी बेहतर होने से एक्टिव केसों में कमी आई है। इस दौरान राज्य में 84 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं। वहीं जयपुर में भी इनकी संख्या 275 रह गई है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से राज्य में 9554 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में गुरूवार को 15 स्थानों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5-5 नए मरीज सांगानेर व सोड़ाला में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, मानसरोवर में 2 तथा आदर्श नगर, बनीपार्क, दुर्गापुरा, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, मालवीय नगर, प्रताप नगर, पुरानी बस्ती, टोंक फाटक और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 57 मरीज ठीक हुए हैं।

प्रदेशों में होने वाले आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर हुआ मंथन

जयपुर। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की तीन दिवसीय बैठकों का दौर गुरुवार को शुरू हो गया है। इसमें पहले दौर में राष्ट्रीय महामंत्रियों की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने ली।

इस दौरान सभी राष्ट्रीय महामंत्री मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में आगामी दिनों में देश के कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव के बाद 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू करने पर भी मंथन किया गया। इस बैठक में प्रदेशों में आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यक्रम और कांग्रेस या अन्य विपक्षी पार्टियों को घेरने की रणनीति प्रमुख रूप से बने इसके लिए विचार मंथन किया गया। इस बैठक में आगामी दिनों में भाजपा के होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की गई।

रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छह हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग ने आलू की कीमत से तीन रुपए ज्यादा वसूलने पर रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छह हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने यह आदेश नंदकिशोर की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में कहा गया कि रिलायंस रिटेल लि. ने एक जनवरी से दस जनवरी 2016 तक आलू की कीमत 8.50 रुपए प्रति किलोग्राम तय की थी और विज्ञापन में इसका उल्लेख भी किया था। परिवाद में कहा गया कि उसने 2.120 किलोग्राम आलू खरीदे, लेकिन रिलायंस ने तय कीमत के बजाए 21.20 रुपए वसूल लिए। परिवादी की ओर से कहा गया कि विक्रेता ने 18.02 रुपए के बजाए अधिक रुपए वसूल कर सेवा दोष कारित किया है। वहीं आयोग की ओर से नोटिस भेजने के बावजूद भी रिलायंस की ओर से कोई जवाब पेश नहीं किया गया।

विराट की वापसी, ठोका अर्द्धशतक, प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

स्कोर बोर्ड

गुजरात टायटंस	रन	गेंद	4	6
साहा रन आउट	31	22	4	1
शुभमन का मैक्सवैल बो हेजलवुड	1	4	0	0
मैथ्यू पगबाधा बो मैक्सवैल	16	13	2	1
हार्दिक नाबाद	62	47	4	3
मिलर का और बो हसरंगा	34	25	0	3
तेवतिया का कार्तिक बो हेजलवुड	2	3	0	0
राशिद नाबाद	19	6	1	2
अतिरिक्त :	3			

कुल : 20 ओवर में 5 विकेट पर 168 रन
विकेट पतन : 1-21, 2-38, 3-62, 4-123, 5-132
गेंदबाजी : सिद्धार्थ 4-0-43-0, शाहबाज 2-0-15-0, हेजलवुड 4-0-39-2, मैक्सवेल 4-1-28-1, लोमरोर 1-0-11-0, हसरंगा 4-0-25-1, पटेल 1-0-6-0

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू	रन	गेंद	4	6
कोहली स्ट वाडे बो रशिद	73	54	8	2
प्लेसिस का हार्दिक बो रशिद	44	38	5	0
मैक्सवेल नाबाद	40	18	5	2
कार्तिक नाबाद	2	2	0	0
अतिरिक्त :	11			

कुल : 18.4 ओवर में 2 विकेट पर 170 रन
विकेट पतन : 1-115, 2-146
गेंदबाजी : शमी 2-0-23-0, हार्दिक 3-0-35-0, राशिद 4-0-32-2, दयाल 4-0-35-0, किशोर 4-0-20-0, फर्गुसन 1.4-0-21-0

मुम्बई, 19 मई। पूर्व कप्तान विराट कोहली (73) की फॉर्म में वापसी और ग्लेन मैक्सवेल की नाबाद 40 रन की आतिशी पारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को आईपीएल मुकाबले में गुरूवार को आठ विकेट से मात देकर टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को कायम रखा।

गुजरात ने कप्तान हार्दिक पांड्या की नाबाद 62 रन की शानदार कप्तानी पारी से 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन बेंगलुरु ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेंगलुरु की 14 मैचों में यह आठवीं जीत रही और वह 16 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन उसका नेट रन रेट माइनस में होना उसके लिए अंत में नुकसानदायक हो सकता है। बेंगलुरु की उम्मीदें अब दिल्ली के आखिरी मैच के परिणाम पर निर्भर करेंगी जिसका प्लस में रन रेट है। बेंगलुरु की जीत से पंजाब और हैदराबाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

विराट ने 54 गेंदों पर 73 रन में आठ चौके और दो छक्के लगाए और कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी (44) के साथ ओपनिंग साझेदारी में 115 रन जोड़े। ग्लेन मैक्सवेल आने के साथ ही राशिद खान की गेंद पर बीट हुए लेकिन गेंद स्टंप्स को टच करते हुए निकल गयी। बेल्स में बत्ती भी जली लेकिन बेल्स गिरी नहीं और मैक्सवेल ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए चौके-छक्के उड़ाए। डुप्लेसी को आउट करने वाले राशिद ने विराट को स्टंप कराया। मैक्सवेल ने फिर दिनेश कार्तिक के साथ मैच निपटा दिया। विराट कोहली के जिस अंदाज का आरसीबी को इंतजार था, वह आज देखने को मिला। वही पुराना आक्रामक अंदाज। यही वजह रही कि आरसीबी के ओपनरों ने पूरी तरह से डोमिनेट किया और गुजरात टाइटंस के दिए 169 के लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

भारत की निखत ने विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण

नयी दिल्ली, 19 मई। भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन ने करोड़ों देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए गुरुवार को तुर्की के शहर इस्तांबुल में 5-0 से शानदार जीत के साथ आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

निखत ने 52 किग्रा भार वर्ग के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की जितपोंग जुतामास को बिना किसी खास परेशानी से एकतरफा अंदाज में दोयम साबित किया। सभी पांच जजों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में 30-27, 29-28, 29-28, 30-27, 29-28 का स्कोर दिया।

निजामाबाद (तेलंगाना) में जन्मी यह मुक्केबाज छह बार की चैंपियन एमसी मैरी कॉम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006) और लेख केसी (2006) के बाद विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने वाली सिर्फ पांचवीं भारतीय महिला बनीं। इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन में 2018 में महान मुक्केबाज मैरी कॉम की खिताबी जीत के बाद से यह भारत का पहला स्वर्ण पदक भी है।

आज के मुकाबले को देखें तो निखत ने अच्छी शुरुआत की और कुछ सटीक मुक्कों से शुरूआती तीन मिनट में आत्मविश्वास से लबरेज जुतामास के खिलाफ बढ़त हासिल की। ऐसा नहीं था कि निखत के सामने खड़ी मुक्केबाज का स्तर अच्छा नहीं था। वह तीन बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता कजाकिस्तान की ज़ैना शेकरबेकोवा को हराकर फाइनल में पहुंची थीं।

इन सबकी परवाह किए बगैर 25 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने अपने लंबे कद का पूरा फायदा उठाया और थाई मुक्केबाज के खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखा। निखत ने जुतामास को 2019 थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में हराया था। जुतामास ने हालांकि दूसरे राउंड में जवाबी हमला करते हुए करने की कोशिश की लेकिन वह काफी तेज और सटीक दिख रहीं निखत के सामने मुश्किल से ही कोई परेशानी पैदा करने में कामयाब हो सकीं। इसका कारण यह था कि निखत पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं।

निखत ने सामने से अपनी विपक्षी खिलाड़ी पर सटीक मुक्के मारे और ताकत के साथ उनके सामने डटी रहीं। यह सब बातें उनके लिए काफी महत्वपूर्ण कारक साबित हुई और इसका फायदा निखत को अंतिम राउंड में मिला और वह अपना पहला फाइनल खेलते हुए लगातार हमले करती रहीं और अंततः विजेता बनकर उभरीं।

मैं जीवन के उस पड़ाव में हूं जहां फील्ड पर उत्साह या निराशा नहीं ढूंढ़ता : कोहली

मुम्बई, 19 मई। आईपीएल में खराब दौर से गुजर रहे पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव में हैं और फ़ील्ड पर क्या होता है उसमें वह उत्साह या निराशा नहीं ढूंढते। साथ ही उन्होंने कहा है कि आईपीएल में लगभग नौ सीज़न बाद सिर्फ़ एक खिलाड़ी के रूप में खेलते हुए भी वह एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं और कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी को सुझाव देने से नहीं कतराते हैं।

स्टार स्पोर्ट्स पर इनसाइड आरसीबी कार्यक्रम पर कोहली ने कप्तानी त्यागने के बाद खेलने के बारे में कहा, सच कहूं तो यह थोड़ा अलग है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह कठिन है क्योंकि आप लगातार प्रक्रिया में योगदान देते रहते हैं। सौभाग्य से फ़ाफ़ और मुझमें दोस्ती हमेशा अच्छी रही है। टीम में एक नेतृत्व समूह है जिसमें हम सब अपने सुझाव देते हैं।

मैदान पर भी जब फ़ाफ़ आउटफ़ील्ड में होते हैं तो उन्होंने मुझे कोण और खिलाड़ियों के स्थान में छोटे-मोटे परिवर्तन करने की छूट दे रखी है। ऐसा मैं एमएस (धोनी) के साथ खेलते हुए भी किया करता था। एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी के तौर पर खेल में अधिक योगदान देने और कप्तान को सुझाव देने में मुझे बहुत मज़ा आता रहा है और यहां भी ऐसा ही है। कोहली ने आईपीएल 2022 के पहले 13 मैचों में केवल 236 रन बनाए हैं और सीज़न के बीच ओपनर के रूप में खेलते हुए भी उनके प्रदर्शन में ख़ासा फ़र्क नहीं पड़ा है। वह कुल छह बार 10 से कम के स्कोर पर आउट हुए हैं और इसमें तीन गोल्डन डक शामिल हैं जहां गेंदबाज़ो ने उन्हें उनकी पारी की पहली गेंद पर पवेलियन भेज दिया है।

केवल एक अर्धशतक लगाने के बावजूद कोहली ने इस पड़ाव पर एक दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाते हुए कहा, भले ही यह अनुभव हो या इससे पहले घटे अनुभव, मैं उनकी वजह से ख़ुद को ज़्यादा मूल्यवान मानता हूं। मैं वास्तव में अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव पर हूं और मुझे मैदान पर घट रही चीज़ों में कोई मोल या आत्म मूल्य नहीं दिखाई देता। इसका मतलब यह नहीं कि मुझमें सफल होने की भूख़ नहीं रही। जिस दिन वह भूख़ चली जाएगी मैं यह गेम छोड़ दूंगा।

कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है : शास्त्री

मुम्बई, 19 मई। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है लेकिन उन्हें निर्भिक तरीक़े से खेलने की आवश्यकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो हिंदी के प्री मैच शो टी20 टाइमआउट हिंदी में शास्त्री ने कोहली की बल्लेबाज़ी के बारे में बात करते हुए कहा, अगर विराट कोहली ओपनिंग करने आते हैं तो उन्हें निर्भिक होकर खेलना चाहिए। उन्हें कहीं से भी दब कर नहीं खेलना है। मेरे ख़्याल में काफ़ी समय से उनका लक भी उनके साथ नहीं है।कोहली ने आईपीएल 2022 में 19.66 की औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें मात्र एक अर्धशतक शामिल है।

सहवाग ने कहा, गांगुली ने नई टीम बनायी, विराट ऐसा नहीं कर पाए

नई दिल्ली, 19 मई। पूर्व भारतीय कप्तान विरेंद्र सहवाग ने कहा है कि सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई लेकिन विराट कोहली अपने समय में ऐसा नहीं कर पाए। स्पोर्ट्स18 चैनल के एक कार्यक्रम में सहवाग ने विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी के बारे में भी एक तुलनात्मक टिप्पणी की। सहवाग ने कहा सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई, नए खिलाड़ियों को टीम में लाये और उनके उतार-चढ़ाव में उनका समर्थन किया। मुझे संदेह है कि क्या कोहली ने अपने कार्यकाल के दौरान शायद ही ऐसा किया हो।

सुशील अध्यक्ष और ऋतुपर्ण सचिव बने

जयपुर, 19 मई। राजस्थान सितोलिया एसोसिएशन की जनरल मीटिंग आयोजित की गई जिमसें चुनाव अधिकारी रमापती दाधीच (अधिवक्ता) द्वारा चुनाव कराये गये। जिसमें सुशील गुर्जर (अध्यक्ष) ऋतुपर्ण पारीक (सचिव), सुनील गुप्ता (कोषाध्यक्ष) नरेन्द्र जोशी, धर्मेंद्र सिंह चूचू बना (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) चुने गये। इस अवसर पर राजस्थान सितोलिया एसोसियेशन के चेयरमैन मित्रोदय गांधी ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया। आगामी सत्र में होने वाले प्रतियोगिता एवं खेल के प्रचार-प्रसार के बारे में कई प्रस्ताव पारित किये गये। इस अवसर पर निर्वाचित अध्यक्ष सुशील गुर्जर ने कहा कि सितोलिया हमारा पारंपरिक खेल है। इस खेल को बढ़ाने के लिए हम निरंतर प्रयास करेंगे। जिससे इस खेल को राजस्थान में अपनी अलग पहचान मिल सके।